अकबर (1556-1605 ई.) Akbar (1556-1605 AD.)

जन्म (Birth) – 1542 ई. को अमरकोट के राजा वीरसाल के यहाँ

(Akbar was born in 1542 at Amarkot at Rana Veersal's palace.)

मृत्यु (Died)	– 1605 ई. में फतेहपुर सीकरी में (Fatehpur Sikri)
माता (Mother)	– हमीदा बानो बेगम (Hamida Bano Begum)
पिता (Father)	– हुमायूँ (Humayun)

पुत्र **(Son)** – जहांगीर **(Jahangir)**

पत्नी **(Wife)** – हरका बाई (जोधा)/मरियम उज जमानी **(Harkabai/Mariyam-uz-Zamani)**

रुकय्या सुल्तान **(Rukaiya**

सलीमा सुल्तान **(Salima sultan)**

बीबी दौलत शाद **(Bibi Daulat shad)**

कसीमा बानु **(Qasima banu)**

भक्करी बेगम **(Bhakkari begum)**

गौहर उन निस्सा **(Gauhar un Nissa)**

उत्तराधिकारी(Successor)– जहांगीर(Jahangir)

संरक्षक(Mentor) – बैरम खाँ (Bairam Khan)

अध्यात्मिक गुरु (Spiritual Guru) – अब्दुल लतीफ (Abdul latif)

मकबरा (Tomb) – सिकन्दरा (आगरा) (Sikandra (Agra)

अकबर के महत्वपूर्ण वर्ष

"Important years of Akbar"

1562 – पहली बार अजमेर का दौरा किया।

(Visited Ajmer first time)

1562 – युद्ध-बंदियो के जबरदस्ती गुलाम में परिवर्तन करने की प्रणाली पर प्रतिबंध लगाया।

(Ban of forcible conversion of war-prisoners and slaves)

1563 – तीर्थयात्रा कर का उन्मूलन किया।

(Abolition of pilgrimage tax)

1564 – जजिया कर का उन्मूलन

(Abolition of Jizya tax)

1571 – फतेहपुर सीकरी की स्थापना

(Foundation of Fatehpur Sikri)

रंजीत यादव सर

1574 – मनसबदारी प्रणाली की शुरुआत

(Mansabdari system introduced)

1575 – इबादत खाना बनाया गया।

(Ibadat Khana was bult)

1578 – इबादत खाना में धर्म संसद की स्थापना

(Parliament of Religious in Ibadat khana)

1579 – 'महजरनाना' की घोषणा

(Prolamation of 'Mahzarnama')

1580 – दहसाना बदांबस्त प्रणाली की शुरुआती

Dahsala Bandubast Introduced

1582 – दीन-ए-इलाही की शुरुआत

(Din-I-Ilahi introduced)

नवरत्न: "अकबर के नौरत्न"

(Navratna: Nine Jewels of Akbar)

बीरबल **(Birbal): –** (प्रशासक) **Adminstrator.**

अबुल फजल **(Abul Fazal)** – विद्वान एवं लेखक

(Scholar and writer)

टोडरमल **(Todarmal)**– वित्त मंत्री **(Finance Minister)**

भगवानदास **(Bhagwandas)**–मनसबदार, भारमल का पुत्र **(Mansabdar, Son of Bharmal)**

मानसिंह **(Man Singh)** – मनसबदार, भारमल का पौत्र **(Mansabdar, grand son of Bharmal)**

तानसेन **(Tansen)** – (संगीतकार) **Muscian**

अब्दुल रहीम खानखाना – हिन्दी कवि **(Hindi poet)**

(Abdur Rahim Khankhana)

मुल्ला–दो–प्याजा – सलाहकार **(Advisor)**

(Mulla-Do-Pyaza)

फैजी **(Faizi)** – विद्वान एवं लेखक, अबुल फजल का भाई

(Scholor and writer brother of Abul Fazal)

☞ **He was reunited with his father Humayun at kandhar.**

अकबर की मुलाकत हुमायूँ से कंधार में हुई।

In 1551, at the age of 9 years, he got the charge of Gazni (Afghanistan) and when he was 13 years old, he captured Sirhind and he was appointed Governor of Lahore.

1551 ई. में **9** वर्ष की अवस्था में अकबर गजनी का सूबेदार बना और **13** वर्ष की अवस्था में इसने सरहिन्द पर कब्जा कर लिया आगे चलकर यह पंजाब (लाहौर) का गर्वनर बना।

☞ **When Humayun died, Akbar was at Kalanaur near Gurdaspur where he was coronated by Bairam Khan and he acquired the title 'Badshah Gazi Jullaluddin Mohammad Akbar' in 1556 and he started 'Elahi Era' in 1556, when he was crowned.**

हुमायूँ की मृत्यु के बाद अकबर का राज्यभिषेक पंजाब के गुरुदासपुर के निकट कलानौर में बैरम खाँ के द्वारा किया गया। अकबर बादशाह गाजी जलालुद्दीन मोहम्मद अकबर नाम से गद्दी पर बैठा। अकबर ने इलाही संवत की शुरुआत की।

☞ **He was only 14 years old when he became the Badshah. So for 4 years, he remained under the regency of Bairam Khan (till 18 years) who was appointed as 'Waqil'.**

14 वर्ष की अवस्था में अकबर बादशाह बन गया और 4 वर्ष तक बैरम खाँ के संरक्षण में रहा। अकबर ने बैरम खाँ को वकील/वजीर का पद दिया।

☞ **Tardi Beg (Delhi Governor) came to Akbar and told him not to fight with Hemu but Bairam Khan killed him as Bairam Khan was Shia and Tardi Beg was Sunni and also he was discouraging Akbar not to fight against Hemu.**

तारदी बेग ने (दिल्ली का गर्वनर) अकबर से हेमु के खिलाफ युद्ध लड़ने से मना किया अत: बैरम खाँ ने तारदी बेग की हत्या कर दी। बैरम खाँ शिया मुस्लिम था जबकि तारदी बेग सुन्नी मुस्लिम था।

☞ 2nd Battle of Panipat (5th November, 1556) fought against Hemu, Prime Minister of Adil Shah and Akbar. Hemu had won 22 battles before this battle and he aquired title 'Vikramaditya' in the battle of Tughlaqabad against Mughal forces led by Tardi Beg. Hemu lost this battle.

पानीपत का द्वितीय युद्ध 1556 ई. को आदिलशाह के प्रधानमंत्री हेमु और बैरम खाँ के बीच हुआ हुआ। इस युद्ध में हेमु की हार हुई। इससे पहले हेमु 22 लड़ाईयाँ जीत चुका था। हेमु ने तुगलकाबाद की लड़ाई की जीतने के बाद विक्रमादित्या की उपाधि धारण की। यह उपाधि इसे आदिलशाह ने दी। तुगलकाबाद की लड़ाई में हेमु ने मुगलों की तरफ से लड़ रहे तारदी बेग को हराया था।

☞ **Bairam Khan became very powerful, so in 1560, when Akbar became major (18 years), he removed Bairam Khan from the post of Waqil. Bairam Khan being powerful challenged Mughal emperor and Battle of Tilwara (Rajasthan) took place in 1561 in which Bairam Khan was defeated by the Mughals and he was sent to Mecca where on his way near Ahmedabad, he was killed by a pathan 'Mubarak Nuhani'.**

1560 तक बैरम खाँ काफी शक्तिशाली बन गया था। अत: अकबर ने बैरम खाँ को वकील की पद से हटा दिया क्योंकि बैरम खाँ की बढ़ती शक्ति मुगल बादशाह के लिए खतरनाक हो सकती थी। राजस्थान के तिलवाड़ा के युद्ध में मुगल सेना ने बैरम खाँ को हराया था। अत: अकबर ने बैरम खाँ को मक्का की यात्रा पर भेज दिया। इसी यात्रा के क्रम में गुजरात के अहमदाबाद के निकट पाटन नामक स्थान पर मुबारक नुहानी खाँ ने बैरम खाँ की हत्या कर दी।

Akbar married his widow Salima Begum and adopted his son Abdul Rahim and the same title of Bairam Khan was given to Abdul Rahim i.e. 'Khan-e-Khan'. Later on, he became very famous as Hindi poet.

अकबर ने बैरम खाँ की विधवा सलीमा बेगम से निगाह कर लिया और उसके पुत्र अब्दुल रही को गोद लिया। अकबर ने अब्दुल रहीम को खान-ए-खाना की उपाधि दी आगे चलकर अब्दुल रहीम हिन्दी का प्रसिद्ध कवि बना।

☞ **Maximum Hindu Ministers – Akbar Court**

हिन्दू मंत्रियों की अधिकतम संख्या – अकबर की दरबार में थी।

☞ **Maximum Hindu Mansabdars – Aurangeb Court**

हिन्दू मनसबदारों की अधिकतम संख्या – औरगजेब के दरबार में थी।

After Akbar got free from Bairam Khan, he remained under the influence of his step mother Maham Anga and her son Adham Khan.

बैरम खाँ के संरक्षण से मुक्त होने के बाद अकबर अपनी सौतेली माँ माहम अनगा और उसके पुत्र आदम खाँ के वर्चस्व के अधीन आ गया।

Maham Anga made a group called 'Harem Dal' and all decisions were started taking from Harem Dal/Petticoat Government whose members were:

माहम अनगा ने एक सूमह बनाया था जिसको हरम दल/अतका समूह भी कहते है। **1560-1562** ई तक के काल को पेटीकोट शासन या पर्दा शासन कहा जाता है। इस दौरान निम्नलिखित सदस्य थे।

1. **Maham Anga** (माहम अनगा)
2. **Jiji Anga (Daughter)** (जीजी अनगा (पुत्री))
3. **Adham Khan (Son)** (आधम खान (पुत्र))
4. **Ataga Khan (Treasurer)** (अतगा खान (कोषाध्यक्ष))
5. **Sharif-ud-din Ahmad Khan (Son-in-law)** शरीफ-उद-दीन अहमद खान (भतीजा)
6. **Munim Khan** (मुनीम खान)

☞ **Adham Khan was sent on an expedition to conquer Malwa, which was ruled by Baaz Bahadur & his capital was Mandu.**

आदम खान को मालवा पर कब्जा करने के लिए भेजा गया। उस समय मालवा का शासक बाजबहादुर था। जिसकी राजधानी माण्डू थी।

☞ **1st capital of Malwa was Dhar where there is mausoleum of Husang Shah which is the 1st marble building of India.**

मालवा की पहली राजधानी धार थी जहाँ पर हुसैंग शाह की समाधि बनी हुई है। यह भारत की पहली संगमरमर से बनी ईमारत थी।

Baaz Bahadur was defeated and submitted before Akbar. But Adham Khan wanted to marry his beloved Rupmati. Rupmati refused and committed suicide. Both Baaz Bahadur and Rupmati were accomplished singers.

बाजबहादुर इस लड़ाई में मुगलों की सेना से हार गया और अकबर के सामने आत्मसमर्पण कर दिया आदम खान बाजबहादुर की रानी रुपमती से शादी करना चाहता था लेकिन रुपमती ने आत्महत्या कर ली। रुपमती और बाजबहादुर दोनों अच्छे गायक थे।

☞ **Adham Khan even refused to submit the money to Akbar which he had looted from Malwa despite many warnings. Ultimategly, he was arrested and killed by Akbar. Maham Anga was told to leave Agra.**

आधम खाँ ने जो धन मालवा से लूटा था उसे अकबर को देने से मना कर दिया अत: अकबर ने आधम खाँ को गिरफ्तार कर के मरवा दिया। और माहम अनगा से आगरा छोड़ने को कहा।

☞ **So withing one year i.e from 1560-61, Akbar got rid of the Harem politics and he focused on the expansion of Empire.**

एक साल के भीतर (1560-61) अकबर हरम दल की राजनीतिक या पेटीकोट के शासन से मुक्त हो गया और साम्राज्य विस्तार पर ध्यान केंद्रित करने लगा।